vinetur

भीषण गर्मी से जर्मनी की 2026 की हॉप फसल 20% घटी

उद्योग संगठनों के मुताबिक, अल्फा एसिड का कम स्तर 2027 में ब्रुअर्स के लिए 650 मीट्रिक टन की कमी पैदा कर सकता है ; अरोमा हॉप्स सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



2026 में जर्मनी की हॉप फसल में भारी गिरावट आई। भीषण गर्मी और सूखे से पैदावार घटने और अल्फा एसिड का स्तर कम होने के बाद 2027 के लिए कुछ ब्रूइंग किस्मों की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जर्मन हॉप उत्पादक संघ और जर्मन हॉप उद्योग संघ ने बुधवार, 11 नवंबर को नूर्नबर्ग में BrauBeviale व्यापार मेले के दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस वर्ष कुल फसल लगभग 34,500 मीट्रिक टन रही। यह 2025 के मुकाबले करीब 20% कम थी, जब जर्मनी ने 43,141 मीट्रिक टन उत्पादन किया था।

संगठनों के अनुसार, फसल कमजोर रहने की मुख्य वजह गर्मियों के दौरान असामान्य गर्मी और लगातार बना सूखापन था। जर्मनी के प्रमुख हॉप उत्पादक क्षेत्र हालेर्टाऊ में मई से अगस्त के बीच 46 गर्म दिन दर्ज किए गए—पहले के वर्षों की

तुलना में लगभग तीन गुना—जबकि वर्षा सामान्य स्तर की केवल आधी रही।

कम फसल के अलावा, उद्योग के लिए अल्फा एसिड की कम मात्रा भी बड़ी चिंता है। जर्मनी का अल्फा एसिड उत्पादन औसत फसल के स्तर से करीब 30% नीचे रहा। अल्फा एसिड ब्रुअर्स के लिए अहम है, क्योंकि यह कड़वाहट और ब्रूइंग की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। मात्रा और ब्रूइंग यौगिकों—दोनों की कमजोर आपूर्ति से बीयर उत्पादकों के लिए खरीद और रेसिपी की योजना बनाना मुश्किल हो सकता है, खासकर उन उत्पादकों के लिए जो खास सुगंध-प्रोफ़ाइल पर निर्भर हैं।

उत्पादन में हुए नुकसान से उत्पादकों की आर्थिक स्थिति पर भी भारी असर पड़ने की आशंका है। जर्मन हॉप उत्पादक संघ के अध्यक्ष आदि शाप्फ़ल ने कहा कि जर्मन हॉप किसानों की आय हाल के वर्षों के मुकाबले करीब 70 मिलियन से 80 मिलियन यूरो कम रहने की संभावना है। इसी दौरान, खेतों की उत्पादन लागत बढ़ रही है। शाप्फ़ल ने कहा कि 2026 में कई खेतों और कई कारोबारों के लिए हॉप की खेती घाटे का सौदा बन गई।

उत्पादन में गिरावट केवल जर्मनी तक सीमित नहीं रही। उद्योग संगठनों के अनुसार, यूरोपीय संघ में हॉप उत्पादन लगभग 46,000 मीट्रिक टन रहा, जो एक साल पहले के मुकाबले 20% कम है। वैश्विक उत्पादन का अनुमान करीब 97,300 मीट्रिक टन था, यानी 11% की गिरावट।

2027 के ब्रूइंग वर्ष को देखते हुए, जर्मन हॉप उद्योग संघ ने कहा कि अल्फा एसिड की मांग में अब भी धीरे-धीरे कमी आने के बावजूद बाजार में आपूर्ति की स्थिति और तंग हो सकती है। संघ के अनुसार, 2018 के बाद पहली बार अल्फा एसिड की उपलब्ध मात्रा अनुमानित मांग से स्पष्ट रूप से कम रहने की आशंका है। अनुमानित कमी करीब 650 मीट्रिक टन है।

हालांकि, बाजार के सभी हिस्सों पर दबाव समान रूप से पड़ने की आशंका नहीं है। संघ ने कहा कि वास्तविक कमी मुख्य रूप से अरोमा और फाइन अरोमा हॉप किस्मों में हो सकती है, जबकि हाई-अल्फा किस्मों का पिछले वर्षों का बड़ा भंडार अब भी उपलब्ध है। ब्रुअर्स के लिए इसका मतलब यह हो सकता है कि कुछ बीयर शैलियों या ब्रांडों की रेसिपी को बनाए रखना कठिन या महंगा हो जाए, भले ही बाजार की अन्य श्रेणियों में अतिरिक्त भंडार मौजूद हो।

अक्टूबर में जर्मन हॉप उद्योग संघ के नए प्रथम अध्यक्ष बने स्टीफ़न शिनाग्ल ने कहा कि खराब फसल से बाजार में स्थायी सुधार नहीं आता, बल्कि अनिश्चितता बढ़ती है। उन्होंने जलवायु के अनुकूल हॉप किस्मों का अधिक इस्तेमाल करने, रोपित क्षेत्र में अधिक लक्षित बदलाव करने और दीर्घकालीन आपूर्ति सुरक्षित रखने के लिए हॉप क्षेत्र तथा ब्रुअरीज के बीच भरोसेमंद अनुबंधों की अपील की।

शाप्फ़ल ने यह भी चेतावनी दी कि यदि हॉप की कीमतें कम बनी रहीं, तो और अधिक उत्पादक कारोबार छोड़ सकते हैं और खेती का अधिक क्षेत्र उत्पादन से बाहर हो सकता है। उन्होंने कहा कि कमजोर फसल के बावजूद कई किस्मों की कीमतें अब भी लागत की भरपाई नहीं करतीं। इससे यह चिंता बढ़ रही है कि बाजार के कुछ हिस्सों में मौजूदा अतिरिक्त आपूर्ति मध्यम अवधि में कमी में बदल सकती है।